भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
19.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 3174 का उत्तर

पश्चिम बंगाल में तारकेश्वर-बिष्णुपुर रेलवे लाइन

3174. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल के भाबादिघी में 900 मीटर लंबी रेल लाइन जो वर्षों से रुकी हुई है, से संबंधित निर्माण के मुद्दे की स्थिति क्या है;

(ख) तारकेश्वर-बिष्णुपुर (पश्चिम बंगाल) रेल परियोजना के मयनापुरवारा गोपीनाथपुर खंड के पूरा होने की संभावित समय-सीमा क्या है और बारा गोपीनाथपुर-जयरामबती खंड पर निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) इस रेल लाइन को पूरा करने में शेष चुनौतियों से निपटने और तारकेश्वर-बिष्णुपुर खंड को समय पर जोड़ना सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 60,168 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 4,479 किलोमीटर लंबाई की 43 रेल परियोजनाएं (13 नई लाइनें, 04 आमान परिवर्तन और 26 दोहरीकरण) हैं, इनमें वे परियोजनाएं

भी शामिल हैं, जो योजना/अनुमोदन/निर्माण के विभिन्न चरणों में है, जिनमें से 1,655 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2024 तक 20,434 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किमी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (किमी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	13	1087	322	9774
आमान परिवर्तन	4	1201	854	3663
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	26	2192	479	6997
कुल	43	4479	1655	20434

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं के लिए परिव्यय का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	परिव्यय
2009-14	4,380 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	13,941 करोड़ रु. (लगभग 3 गुना)

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं की लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

पश्चिम बंगाल राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण रेल अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण रुका हुआ है। पश्चिम बंगाल में भूमि अधिग्रहण की स्थिति इस प्रकार है:

कुल आवश्यक भूमि	4093 हेक्टर
अधिगृहीत भूमि	1086 हेक्टर (26.5%)
शेष भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा	3007 (73.5%)

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, बहरहाल सफलता पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

तारकेश्वर - बिष्णुपुर (83 कि.मी.) नई लाइन परियोजना में, अभी तक तारकेश्वर - गोघाट (34 कि.मी.) और बिष्णुपुर - मयनापुर - बरोगोपिनाथपुर (30 कि.मी.) सहित 64 कि.मी. खंड को कमीशन किया गया है। गोघाट - कामारपुकुर - बरोगोपीनाथपुर (19 कि.मी.) खंड में शेष भाग पर उपलब्ध भूमि पर कार्य शुरू किया गया है। गोघाट - कामारपुकुर (5.5 कि.मी.) खंड के बीच भाभादिघी तालाब अवस्थित है। भाभादिघी तालाब को भरने के विरुद्ध स्थानीय लोगों के विरोध से कानून और व्यवस्था की समस्या के कारण इस गोघाट - कामारपुकुर खंड पर कार्य का निष्पादन लंबे समय से रुका हुआ है। रेलवे इस मुद्दे को सुलझाने के लिए लगातार राज्य सरकार के अधिकारियों के संपर्क में है लेकिन इस मुद्दे का अभी तक समाधान नहीं हुआ। बरोगोपिनाथपुर-जयरामबाती (7 कि.मी.) खंड पूरा होने के अंतिम चरण में है।

किसी भी रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियों,

परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना/ओं विशेष स्थल के लिए किसी वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या इत्यादि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। उपरोक्त बाधाओं के बावजूद, इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

****